Human development index

Pranav Shekhar

Assistant Professor

Department of Economics

Notes for PG second semester

Scanned with CamScanner

Human Development Index

Human Development Index (मानव विकास सूचकांक) की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1990 में की गई थी। मानव विकास सूचकांक तीन आधारभूत मापदंडों पर आधारित है :—

i) जीवन प्रत्याशा (Life expentency)
ii) साक्षरता का स्तर (Educational attainment)

Scanned with CamScanner

Real Per Capita Income = $\frac{\text{National Income}}{\text{Total Population}}$

HDI = $\frac{\text{Life expectancy} + \text{Educational attainment} + \text{Real GDP Per Capita}}{3}$

Scanned with CamScanner

iii) जीवन स्तर (Standard of Living)

इन दिए गए तीनों मापदंडों के आधार पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने मानव विकास सूचकांक की रचना की। अब हम इन तीनों मापदंडों का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

1) जीवन प्रत्याशा :-

जीवन प्रत्याशा का तात्पर्य एक राष्ट्र में एक व्यक्ति की जीवन जीने की औसत आयु से होता किया जाता है। जीवन प्रत्याशा को एक शिशु के जन्म से व्यक्ति की मृत्यु तक की औसत आयु का पता चलता है। Life expentency is the number of years, a person is expected to live from the time of birth.

2) साक्षरता का स्तर :-

साक्षरता का स्तर निम्न दो मापदंडो पर आधारित है :-

a) वयस्क साक्षरता दर (Adult Literacy rate.)
b) सकल नामांकन अनुपात (Gross Inrolment ratio)

(a) वयस्क साक्षरता दर :-

वयस्क साक्षरता दर का

तात्पर्य 15 वर्ष की उम्र या उससे ऊपर के व्यक्ति जो किसी भी भाषा को लिख पढ़ या समझ सकते हैं, वह साक्षर है। वयस्क साक्षरता दर में किसी भी भाषा को लिखना, पढ़ना या समझना तीनों पक्ष होना चाहिए। यदि तीनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की भी कमी है तो वह व्यक्ति साक्षर नहीं कहलाएगा।

(b) सकल नामांकन अनुपात :-

सकल नामांकन का तात्पर्य देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नामांकन कराने वाले विभिन्न विद्यार्थियों के अनुपात से है। सकल नामांकन अनुपात को प्राथमिक, द्वितीयक एवं उच्च शिक्षा में विभाजित किया जा सकता है। इस मापदंड से देश में विभिन्न स्तरों पर नामांकित कुल छात्रों की संख्या का पता चलता है।

(3) जीवन स्तर / वास्तविक प्रतिव्यक्ति आय :-

जीवन स्तर में वृद्धि या कमी वास्तविक प्रतिव्यक्ति आय के वृद्धि या कमी पर निर्भर करती है। वास्तविक प्रतिव्यक्ति में आई वृद्धि या कमी जीवन स्तर को प्रभावित करती है, जैसे - यदि

Scanned with CamScanner

वास्तविक प्रतिव्यक्ति आय बढ़ती है जीवन स्तर में बढ़ोतरी होती है क्योंकि व्यक्ति की क्रय शक्ति में वृद्धि होती है। इसी प्रकार यदि वास्तविक प्रतिव्यक्ति आय घटती है तो जीवन स्तर में गिरावट आती है।

⇒ मानव विकास सूचकांक मापने की विधि

मानव विकास सूचकांक को मापने की विधि में सर्वप्रथम हम achievement level को मापते हैं, जिसका सूत्र निम्न है :—

$$\text{Life expentency} = \frac{\text{Actual value} - \text{Min}^{m} \text{ value}}{\text{Max}^{m} \text{ value} - \text{Min}^{m} \text{ value}}$$

किसी भी राष्ट्र की जीवन प्रत्याशा किसी खास वर्ष के लिए निकाली जाती है या जनगणना के तहत 10 वर्षों में एक बार निकाली जाती है। इसलिए वास्तविक मान सर्वोत्तम मान और न्यूनतम मान का डाटा दिए गए सारणी के आधार पर किया जाता है।

Educational attainment को शून्य (0) और एक (1) के बीच मापा जाता है।

Scanned with CamScanner

→ मानव विकास सूचकांक गणना 3

Dimension	Indicator	Minimum	Maximum
Health	Life expectancy (years)	20	85
Education	Expected years of Schooling	0	18
	Mean years of Schooling	0	15
Standard of living	Gross national income per capita PPP 2011 $	100	75,000

Health index = $\frac{68.8 - 20}{85 - 20} = 0.7508$

Mean years of schooling index = $\frac{6.4 - 0}{15 - 0} = 0.4267$

Expected years of schooling index = $\frac{12.3 - 0}{18 - 0} = 0.646$

जैसा कि हम जानते है कि मानव विकास सूचकांक शून्य (0) और एक (1) के बीच रहता है। शून्य न्यूनतम सीमा एवं 1 सर्वाधिक सीमा का प्रतिनिधित्व करती है।

Scanned with CamScanner

2018 के मानव विकास सूचकांक के अनुसार 0.953 सूचकांक के साथ नॉर्वे पहले स्थान पर रहा जबकि स्विट्जरलैंड 0.944 के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत 0.640 के साथ 130वें स्थान पर था।

Scanned with CamScanner